गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विष्वविद्यालय द्वारा एक भव्य कृषक सम्मेलन का आयोजन

पंतनगर। 6 जून 2025। आज देहरादून में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत एक भव्य कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें भारत सरकार के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

इस कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों से आए हुए हिमालय कलर केंद्र की सभागार में 1000 से अधिक किसान भाइयों एवं बहिनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई कृषि एवं बागवानी तकनीकों, जैविक खेती, उन्नत बीजों, पोषक कृषि, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, पॉलीहाउस एवं ड्रिप सिंचाई तकनीक, कृषि यंत्रीकरण तथा मूल्य संवर्धन एवं विपणन की नवीनतम रणनीतियों से अवगत कराया गया।

माननीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड की पर्वतीय एवं तराई क्षेत्रों की भू–जलवायु विविधता कृषि वानिकी, औषधीय पौधों, फल उत्पादन, और दुग्ध व्यवसाय के लिए अत्यंत अनुकूल है। हमें किसानों और वैज्ञानिकों के साझे प्रयासों से पूरे राज्य को विकसित कृषि के पथ पर आगे ले जाना है। किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए अनुसंधान से निकली तकनीकों को खेतों तक पहुँचाना आवश्यक है।

उन्होंने पंतनगर विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयास, जैसे नवाचार आधारित तकनीकियों का विकास, कृषि विज्ञान केंद्रों की सक्रियता, कृषि ड्रोन प्रशिक्षण, सटीक कृषि तकनीक और उद्यानिकी उत्पादों का मूल्य संवर्धन, राज्य की कृषि को आधुनिक एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत गेहूं, धान, जौ और मक्का की किस्में उत्तराखंड के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में उत्पादकता में वृद्धि कर रही हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एक नवीन जौ की किस्म को उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत अधिक उत्पादकता दिख रही है। पंतनगर द्वारा स्थापित 9 कृषि विज्ञान केंद्रों के किसानों के लिए प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं तकनीक प्रचार के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हनी मिशन, मशरूम उत्पादन, सब्ज़ियों की प्रोसेसिंग एवं एकीकृत खेती मॉडल्स के माध्यम से स्वरोज़गार एवं किसान आय बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। विश्वविद्यालय की साझेदारी में वन यूनिवर्सिटी – वन रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत उत्तराखंड को विशेष फसलों के क्लस्टर से जोड़ने का कार्य जारी है।

उद्यानिकी और नवाचार के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सेब, कीवी, स्टॉबेरी, तेजपत्ता, टिमरू और औषधीय पौधों के क्षेत्र में वैज्ञानिक मार्गदर्शन और पौध वितरण कार्यक्रम चल रहे हैं। प्लांट टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला द्वारा उन्नत गुणवत्ता के पौधों का उत्पादन कर किसानों तक पहुँचाया जा रहा है। उद्यानिकी फसल आधारित प्रसंस्करण इकाइयाँ भी विकसित की जा रही हैं। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी जी, गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, कृषि वैज्ञानिक, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन (एफ.पी.ओ.) के प्रतिनिधि उपस्थित थे।